



माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर (पुँवारका, सहारनपुर, उ०प्र०, पिन-247120)

website-msuniversity.ac.in

E-mail id - ar@msuniversity.ac.in

पत्रांक: 576/प्रशा०/MSU/2025-26

दिनांक: 20/06/2025

सेवा में,

1. प्राचार्य/प्राचार्या,
समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर।
2. शैक्षणिक समन्वयक
माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय,
सहारनपुर।

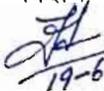
विषय:- महाविद्यालयों के आस-पास एकत्र मनचलों से मिले निजात के सम्बन्ध में।
महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषय दै० अमर उजाला सहारनपुर समाचार पत्र के अंक दिनांक 05.06.2025 (संलग्नक) का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि दै० अमर उजाला सहारनपुर समाचार पत्र के अंक दिनांक 05.06.2025 में "कॉलेज के बाहर एकत्र मनचलों से मिले निजात" शीर्षक प्रकाशित किया गया है। जिसमें निम्नवत् टीप अंकित की गयी है:- कॉलेजों के बाहर और रास्तों में छात्राओं के साथ छींटाकाशी, पीछा करने और फ़ब्तियाँ कसने की घटनाओं की शिकायतें आम हैं। कई बार छात्राएं यह कहने से भी डरती हैं कि कहीं उन्हें कॉलेज आना बन्द न करना पड़े। छात्रों की मांग है कि छुट्टी के समय कॉलेजों के बाहर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए और सी०सी० टी०वी० कैमरे लगाए जाएं ताकि ऐसे असामाजिक तत्वों की पहचान और कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकें।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विश्वविद्यालय परिसर तथा महाविद्यालय के आस-पास एकत्रित मनचलों की भीड़ को हटाने के लिए अपने स्तर से उचित कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,


19-6-25
का० कुलसचिव

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

01. कुलपति कार्यालय को मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
02. गार्ड फाईल।

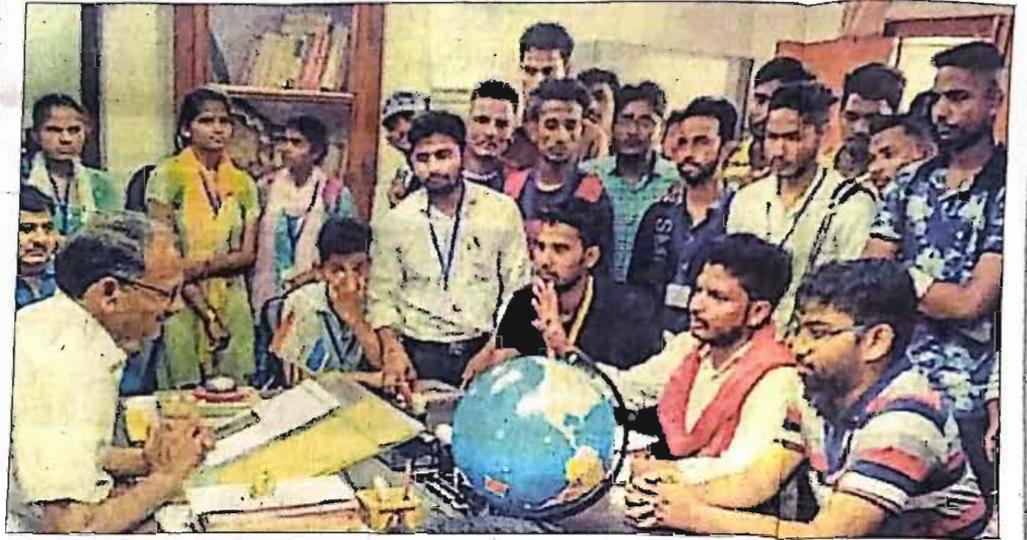
सहा० कुलसचिव

सहारनपुर जिले में उच्च शिक्षा के लिए अनेक शासकीय और निजी महाविद्यालयों के साथ-साथ हाल ही में स्थापित मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय (एमएसयू) एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। इस विश्वविद्यालय से करीब 216 कॉलेज संबद्ध हैं और करीब एक लाख 15 हजार छात्र-छात्राएं यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाने की उम्मीद के साथ इन संस्थानों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को पढ़ाई के

अलावा कई अन्य परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है। यातायात की असुविधा, अनावश्यक फीस बढ़ोतरी, नशे का बढ़ता कारोबार, महिला सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं और छात्र संघ चुनाव न होने जैसी समस्याएं छात्रों के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। छात्रों ने केवल समस्याएं गिनाई ही नहीं, बल्कि उनके सार्थक और व्यावहारिक सुझाव भी प्रस्तुत किए, जो प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देशक बन सकते हैं।

छात्र बोले

यातायात, फीस और सुरक्षा जैसी समस्याओं से जूझ रहे जिले के छात्र



एमएस कॉलेज में समय पर छात्र संघ के चुनाव कराने, कॉलेज के बाहर खड़े मनचलों पर कार्रवाई व समस्याओं को लेकर प्राचार्य का धैर्य कर अपनी भांग को रखते हुए छात्र। फाइल फोटो

216 कॉलेज एमएसयू से संबद्ध **115000**

विद्यार्थी विश्वविद्यालय के कॉलेजों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं

कंटेन्ट-मनोज भरुला/फोटो-एच.शंकर शुक्ल

मां शाकुम्भरी विवि तक पहुंचना बड़ी चुनौती

एमएसयू शहर के मुख्य हिस्से से दूरी पर स्थित है। घंटाघर, जनकपुरी, बेट रोड, अंबाला रोड, देवीकुंड और अन्य क्षेत्रों से आने वाले छात्रों के लिए कॉलेज पहुंचना एक रोजमर्रा की मुश्किल बन चुका है। ना तो विश्वविद्यालय के लिए कोई सीधी सरकारी बस सेवा उपलब्ध है और ना ही कॉलेज की ओर से कोई परिवहन सुविधा दी जाती है।

नशे के कारोबार से बिगड़ रहा शैक्षिक माहौल

सहारनपुर के कई कॉलेजों के आसपास नशे का कारोबार तेजी से फैल रहा है। कुछ अराजक तत्व कॉलेजों के बाहर गुटखा, बीड़ी, शराब अन्य मादक पदार्थों की बिक्री करते हैं। इससे न केवल वातावरण खराब होता है, युवाओं पर इसका गलत असर भी पड़ रहा है। छात्रों की मांग है कि पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, नशे के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

फीस बढ़ोतरी और मनमानी वसूली

बढ़ती शिक्षा लागत छात्रों और अभिभावकों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गई है। कई निजी संस्थानों और कुछ संबद्ध महाविद्यालयों में दिना पूर्ण सूचना के फीस बढ़ा दी जाती है या 'अन्य शुल्क' के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती है। सुझाव है कि फीस संरचना को पारदर्शी बनाएं और कोई भी नई वसूली छात्रों की सहमति या शासन की अनुमति के बिना न की जाए। साथ ही, मनमानी फीस वसूलने वाले संस्थानों पर कार्रवाई हो।

कॉलेज के बाहर एकत्र मनचलों से मिले निजात

कॉलेजों के बाहर और रातों में छात्रों के साथ छिंटकरी, पीछा करने और फबियाँ कसने की घटनाओं की शिकायतें आम हैं। कई बार छात्राएं यह कहने से भी डरती हैं कि कहीं उन्हें कॉलेज आना बंद न करना पड़े। छात्रों की मांग है कि छुट्टी के समय कॉलेजों के बाहर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए ताकि ऐसे असामंजस तत्वों की पहचान और कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

छात्र संघ चुनाव का प्राथमिकता से कराएं

सहारनपुर कॉलेजों में पिछले आठ वर्ष से छात्र संघ चुनावों का प्राथमिकता नहीं दी गई है। किसी भी समस्या को उठाने और प्रशासन तक पहुंचाने का कोई प्रभावशाली माध्यम नहीं है। छात्रों का सुझाव है कि हर कॉलेज और विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनावों को प्राथमिकता से कराएं जाएं ताकि फलोकतांत्रिक प्रतिनिधि प्रणाली के तहत छात्र अपनी मांगें उठा सकें।